कौन बनेगा पास विद् ऑनर प्रश्नोत्तरी

भाग - (28) खण्ड -{55}

समग्र मुरलियों पर आधारित अधोलिखित प्रश्नों के सबसे उपयुक्त एक ही उत्तर का चयन करें.....

प्रश्न 1- परमपिता परमात्मा के साथ प्रीत किसकी है ?

A- फरिश्तों की

B- ब्राह्मणों की

C- देवताओं की

D- उपरोक्त सभी की

*प्रश्न 2- मन में भी किसी के लिए घृणा नहीं रखना। क्यों ? *

A- क्योकि सब परमात्मा की सन्तान हैं।

B- क्योंकि सब भाई भाई हैं।

C- क्योंकि हर आत्मा अपना पार्ट बजा रही है।

D- क्योंकि जैसा सोचेंगे वैसा बन जाएंगे।

प्रश्न 3- सेफ्टी की लकीर क्या है ?

A- ज्ञान और योग

B- बाप और आप

C- बाप और दादा

D- बाप और वर्सा

प्रश्न 4- यथार्थ ब्राह्मण जीवन क्या है?

A- प्रसन्नचित्त स्थिति में रहना।

B- सदा उड़ती कला में रहना।

C- सदाकाल की रूहानी अलौकिक मौज में रहना।

D- बुद्धि सदा क्लियर रखो।

*प्रश्न 5- ऊंच पद पाने के लिए मुख्य कौन सी धारणा चाहिए ?

A- शुद्ध अन्न

B- मीठे बोल

C- कर्मेन्द्रियजीत

D- ज्ञानयोग

प्रश्न 6- .....के बिना याद यथार्थ नहीं रह सकती ?

A- ज्ञान

B- प्यार

C- धारणा

D- सेवा

प्रश्न 7- स्वयं के स्वयं टीचर बनो तो ..... स्वतः समाप्त हो जायेंगी ?

A- विस्मृति

B- सर्व कमजोरियां

C- अवगुण

D- बीमारियां

*प्रश्न 8- सदा सेफ रहने का स्थान कौन सा है ?

A- दिलाराम बाप का दिलतख्त

B- अकालतख्त

C- भृकुटी में

D- मधुबन में

प्रश्न 9- एकोंकार का क्या अर्थ है ?

A- परमात्मा एक है।

B- निराकार स्वरूप है।

C- अविनाशी है।

D- अकालमूर्त है।

प्रश्न 10- श्री किसको कहेंगें ?

A- बाप को

B- दादा की

C- देवताओं को

D- ब्राह्मणों को

प्रश्न 11- अपने साथ बातें करनी हैं। इसको क्या कहा जाता है ?

A- मनमनाभाव

B- आत्म चिंतन

C- स्व चिंतक

D- विचार सागर मंथन करना

प्रश्न 12- देवताओं की महिमा क्या है ?

A- सम्पूर्ण निर्विकारी

B- लिबरेटर

C- सद्गतिदाता

D- अकालमूर्त

*प्रश्न 13- क्या पढ़ते- पढ़ते कलियुग का अन्त आ गया है ? *

A- भागवत

B- गीता

C- शास्त्र

D -पोथी

प्रश्न 14- इन विकारों को पूरी रीति तजना है, तजेंगे नहीं तो..... ?.

A- आगे बढ़ेंगे नहीं

B- सजेंगे भी नहीं

C- उड़ेंगे भी नहीं

D- चलेंगे भी नहीं

प्रश्न 15- कौन सा गीत ऑटोमेटिक बजता रहे तो प्रत्यक्षता का झण्डा लहराने लगेगा ?

A- मीठा बाबा, प्यारा बाबा, मेरा बाबा।

B- भगवान धरती पर आ चुके है।

C- अब घर जाना है।

D- सच्चे दिल पर साहेब राजी।

प्रश्न 16- बाप तुमको कौन सी कहानी सुनाते हैं ?

A- गोले की

B- झाड़ की

C- त्रिमूर्ति की

D- सृष्टि के आदि- मध्य- अन्त की

भाग (11) खण्ड {22} के उत्तर स्पष्टीकरण सहित

उत्तर 1 - B ब्राह्मणों की

ब्राह्मणों को तो जरूर धीरज़ ही होगा क्योंकि *ब्राह्मणों की ही परमपिता परमात्मा के साथ प्रीत है* - नम्बरवार पुरुषार्थ अनुसार। सबकी एक जैसी प्रीत नहीं है।

उत्तर 2 - C क्योंकि हर आत्मा अपना पार्ट बजा रही है

बाप कहते हैं, अच्छी रीति प्रीत लगाओ। जैसे स्त्री पति को याद करती है वैसे तुम मुझे याद करो। मेरी श्रीमत पर चलो। मन्सा, वाचा, कर्मणा किसको दु:ख न दो। *मन में

भी किसी के लिए घृणा नहीं रखना। हर आत्मा अपना पार्ट बजा रही है।*

उत्तर 3 - B बाप और आप

सिवाए बाप के खजानों के और कोई याद न आये। वैराइटी प्राप्ति है, वैराइटी खजाने हैं, वैराइटी सम्बन्ध हैं, वैराइटी खुशी की बातें हैं - उमंग-उत्साह की बातें हैं। उसी विधि से यूज़ करो। *बाप और आप यही सेफ्टी की लकीर है।* इस स्मृति की लकीर से बाहर नहीं आओ।

उत्तर 4 - C सदाकाल की रूहानी अलौकिक मौज़ मे रहना

अल्पकाल के सुख की मौज वा अल्पकाल के सम्बन्ध-सम्पर्क की मौज सदाकाल की प्रसन्नचित स्थिति से भिन्न है। जो आया वह बोला, जो आया वह किया - हम तो मौज में रहते हैं, ऐसे अल्पकाल के मनमौजी नहीं बनो। *सदाकाल की रूहानी अलौकिक मौज में रहो - यही यथार्थ ब्राह्मण जीवन है।*

उत्तर स.5- *C.कर्मेन्द्रियजीत*

ऊंच पद तब मिलेगा जब अपनी कर्मेन्द्रियों पर पूरा-पूरा कन्ट्रोल होगा। अगर कर्मेन्द्रियाँ वश नहीं, चलन ठीक नहीं, बहुत अधिक तमन्नायें हैं, हबच (लालच) है तो ऊंच पद से वंचित हो जायेंगे। ऊंच पद पाना है तो मात-पिता को पूरा फालो करो। कर्मेन्द्रिय जीत बनो।

उत्तर स.6- *A.ज्ञान*

परमात्मा तो गीता में साफ कहते हैं, न मैं ध्यान से, न जप से मिलता हूँ और न मेरी सूरत को सामने रख उनका ध्यान करना है परन्तु ज्ञान योग द्वारा परमात्मा को पाना है इसलिए पहले चाहिए ज्ञान, *ज्ञान बिगर याद कायम रह नहीं सकेगी। याद का तैलुक है ही ज्ञान से।*

उत्तर स.7- *B.सर्व कमजोरियां*

बाबा तो कहते हैं - अच्छी रीति पुरुषार्थ करो। माँ बाप को फालो कर अच्छा पद पा लो, अपनी चलन को सुधारो। बाप तो राह बताते हैं फिर उस पर क्यों नहीं चलते हो। *स्वयं के स्वयं टीचर बनो तो सर्व कमजोरियां स्वत: समाप्त हो जायेंगी।*

उत्तर स.8- *A.दिलाराम बाप का दिलतख्त*

सदा सेफ रहने का स्थान-दिलाराम बाप का दिलतख्त है। सदा इसी स्मृति में रहो कि हमारा ही यह श्रेष्ठ भाग्य है जो भगवान के दिलतख्त-नशीन बन गये। जो परमात्म दिल में समाया हुआ अथवा दिलतख्तनशीन है वह सदा सेफ है।

उत्तर सं.9- A.परमात्मा एक है

परमात्मा एक है, भल कोई धर्म वाला हो वो भी परमात्मा को ही मानते हैं।जैसे गुरुनानक ने भी परमात्मा की इतनी बड़ाई की एकोंकार सत् नाम। *एकोंकार का अर्थ है परमात्मा एक है।* सत् नाम अर्थात् उसका नाम सत्य है तो

गोया परमात्मा नाम रूप वाला भी है, अविनाशी है, अकालमूर्त भी है तो फिर कर्ता पुरुष भी है ।

उत्तर सं.10- C.देवताओं को

श्रीमत से तुम श्रेष्ठ सो देवता बनते हो। रूद्र माला भी है। रूद्र भी निराकार भगवान ही ठहरे। वह है श्री श्री। *देवताओं को कहेंगे श्री अर्थात् श्रेष्ठ।* अभी तुम बच्चे जानते हो कि श्री श्री द्वारा श्रेष्ठ दुनिया बनती है। बाप श्री श्री है श्री बनाने वाला।

उत्तर सं.11- D.विचार सागर मंथन करना

जो काम बाबा 5 हजार वर्ष पहले करके गये हैं, सो अब कर रहे हैं। यह मन्दिर अब टूटेंगे फिर भक्ति मार्ग में बनेंगे। यह सब बातें धारण करने की हैं। *यह अपने साथ बातें करनी हैं। इसको कहा जाता है विचार सागर मंथन करना।*

उत्तर सं.12- A.सम्पूर्ण निर्विकारी

अभी हमको बाप मिला है, जो ज्ञान का सागर है। कृष्ण को ज्ञान का सागर नहीं कहेंगे। शिवबाबा की महिमा और देवताओं की महिमा एकदम अलग है। *देवताओं की महिमा है सम्पूर्ण निर्विकारी।* शिवबाबा को कहा जाता है मनुष्य सृष्टि का बीजरूप, सत् चित् आनन्द स्वरूप, ज्ञान का सागर।

उत्तर 13- B.गीता

बाप है ज्ञान का सागर, गीता कितनी छोटी बनाई है। श्लोकों को कण्ठ कर लेते हैं। सब लोग उन पर फिदा हो जाते हैं। *गीता पढ़ते-पढ़ते कलियुग का अन्त आ गया है। सद्गति किसको भी नहीं मिलती।* तुमको थोड़ा ही ज्ञान देता हूँ - तुम स्वर्ग में चले जाते हो।

उत्तर 14- B.सजेंगे भी नहीं

शुरू-शुरू में तुमने बहुत कुछ देखा है फिर अन्त में बहुत कुछ देखना है। जो चले जायेंगे वह कुछ भी नहीं देखेंगे। इन विकारों को पूरी रीति तजना है तब ही हीरे जवाहरों से सजना

है। *तजेंगे नहीं तो इतना सजेंगे भी नहीं।* अभी तुम ज्ञान रत्नों से सज रहे हो।

उत्तर 15- A.मीठा बाबा, प्यारा बाबा, मेरा बाबा

ऐसा दृढ़ संकल्प अर्थात् व्रत धारण करो कि जब तक जीना है तब तक खुश रहना है। *मीठा बाबा, प्यारा बाबा, मेरा बाबा-यही गीत ऑटोमेटिक बजता रहे तो प्रत्यक्षता का झण्डा लहराने लगेगा।*

उत्तर 16- D.सृष्टि के आदि-मध्य-अन्त की

तुम बच्चे जानते हो पुरुषार्थ से हम यह बनेंगे, फिर श्रीमत पर क्यों नहीं चलते। तुम भूल क्यों जाते हो। यह तो कहानी है। घर में मित्र सम्बन्धी कहानियाँ सुनाते हैं। *बाप भी तुमको सारे सृष्टि के आदि मध्य अन्त की कहानी सुनाते हैं।* तुम 5 हजार वर्ष पहले विश्व के मालिक थे।

कौन बनेगा पास विद् ऑनर प्रश्नोत्तरी

भाग - (28) खण्ड -{56}

प्रश्न 1- किसके द्वारा किसी की भी बुद्धि को परिवर्तित कर सकते है ?

A- दृढ़ निश्चय

B- योग के प्रयोग

C- मनसा सेवा

D- A और B

प्रश्न 2- फर्स्ट क्लास बात कौन सी है ?

A- अपने को आत्मा समझ बाप को याद करो।

B- बाप से स्वर्ग का वर्सा लेना है।

C- बाबा हमें पढ़ाकर स्वर्ग का मालिक बनाते।

D- स्वयं भगवान हमारा बाप, टीचर और गुरु भी है।

प्रश्न 3- अपना असली लक्ष्य कौन सा है ?

A- बाप का परिचय देना

B- मैं आत्मा उस परमात्मा की संतान हूँ

C- लक्ष्मी- नारायण बनना

D- B और C दोनों

प्रश्न 4- ..... बन ज्ञान कवांठी (कांवर) पर सबको बिठाना है। मित्र-सम्बन्धियों को भी ज्ञान दे उनका कल्याण करना है ?

A- ब्रह्माकुमार- कुमारी

B- श्रवणकुमार-कुमारी

C- कावंडिया

D- जादूगर

प्रश्न 5- क्या करें तो देही-अभिमानी बन जायेंगे, नशा वा खुशी कायम रहेगी, चलन सुधरती जायेगी ?

A- पवित्र बनने का प्रयास करो।

B- बाप समान बनने की आदत डालो।

C- बाप को याद करने की आदत डालो।

D- ज्ञान की धारणा करते रहो।

प्रश्न 6- जो व्यर्थ को समर्थ में परिवर्तन कर दे, वह कौन हैं ?

A- मास्टर नॉलेजफुल

B- सच्चे सेवाधारी

C- होलीहंस

D- मास्टर सर्वशक्तिमान

*प्रश्न 7- क्या करते हुए भी आत्मा को पावन बनाने के लिए याद की मेहनत जरूर करनी है ?

A- चलते फिरते

B- खाना बनाते

C- खाना खाते

D- सोते समय

प्रश्न 8- गुप्त पुरुषार्थ करके राज्य भाग्य कौन लेते हैं ?

A- ब्राह्मण

B- भक्त

C- गरीब

D- मनुष्य

प्रश्न 9- ज्ञान-मार्ग में भी जो यथार्थ रहमदिल हैं- उसमें 3 बातों से किनारा करने की शक्ति होती है। उन तीन में से एक नहीं है ?

A- अलबेलापन

B- ईर्ष्या

C- द्वेष

D- घृणा

प्रश्न 10- इनमें से क्या कभी भी किसी आत्मा के प्रति ईर्ष्या वा घृणा का भाव दिल में उत्पन्न करने नहीं देगा ?

A- सजा का डर

B- लवफुल

C- मर्सीफुल

D- ज्ञानयुक्त रहम

*प्रश्न 11- ब्राह्मण-जीवन का फाउण्डेशन, महामंत्र क्या है ? *

A- पवित्रता

B- मनमनाभाव

C- मध्याजीभव

D- आत्मा

प्रश्न 12- जो सर्व प्रश्नों से पार रहता है - वही .....

A- फरिश्ता

B- प्रसन्नचित

C- सहजयोगी

D- व्यर्थ से मुक्त

प्रश्न 13- किसी भी प्रकार के .....से परे रहना परफेक्ट बनना है ?

A- विकार

B- रावण

C- डिफेक्ट

D- अवगुण

प्रश्न 14- कौन से बच्चे छिपे नहीं रह सकते ?

A- पुरुषार्थ करने वाले

B- गलती करने वाले

C- श्रीमत को तोड़ने वाले

D- बाप समान बनने वाले

प्रश्न 15- तुम बच्चे अभी किस बात से डरते नहीं हो ?

A- माया रावण से

B- इस पुराने शरीर को छोड़ने से

C- विनाश से

D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 16- बिगर कहे जो काम करे सो देवता। कहने से जो करे सो.....?

A- ब्राह्मण

B- भक्त

C- शूद्र

D- मनुष्य

भाग (28) खण्ड {56} के उत्तर स्पष्टीकरण सहित

उत्तर 1- D. A और B

पुरूषार्थ धरनी बनाता है, वह भी जरूरी है लेकिन पुरूषार्थ के साथ-साथ योग के प्रयोग से सबकी वृत्तियों को परिवर्तन करो तो सफलता समीप दिखाई देगी। *दृढ़ निश्चय और योग के प्रयोग द्वारा किसी की भी बुद्धि को परिवर्तन कर सकते हो।*

उत्तर 2- A. अपने को आत्मा समझ बाप को याद करो

बाप कहते हैं यह देह के सब धर्म छोड़ मुझे याद करो तो विकर्म विनाश होंगे। तुम मेरे पास चले आयेंगे। पहले-पहले यह निश्चय करो फिर दूसरी बात, तब तक आगे बढ़ना ही नहीं है। *अपने को आत्मा समझ बाप को याद करो। बस यह है सबसे फर्स्ट-क्लास बात।*

उत्तर 3- D. B और C दोनों विकल्प सही।

पहले पहले यह जानना जरुरी है कि अपना असली लक्ष्य क्या है? वो भी अच्छी तरह से बुद्धि में धारण करना है तब ही पूर्ण रीति से उस लक्ष्य में उपस्थित हो सकेंगे। *अपना असली लक्ष्य हैं - मैं आत्मा उस परमात्मा की संतान हूँ।* दूसरी मुरली में बाबा कहते एम ऑब्जेक्ट है (मुख्य लक्ष्य)- मनुष्य से देवता बनने की।इस राजयोग की एम आब्जेक्ट है ही लक्ष्मी-नारायण बनना। इसलिए दोनों विकल्प सही है।

उत्तर 4- B.श्रवण कुमार-कुमारी

*तुम सभी अब श्रवण कुमार और कुमारियाँ बनते हो। तुम सबको ज्ञान की कवांठी (कांवर) पर बिठाते हो। तुमको

सब मित्र-सम्बन्धियों को ज्ञान दे उनका कल्याण करना है।* बाबा के पास युगल भी आते हैं। आगे तो जिस्मानी ब्राह्मण से हथियाला बंधवाते थे। अभी तुम रूहानी ब्राह्मण काम चिता का हथियाला तोड़ते हो।

उत्तर 5- C. बाप को याद करने की आदत डालो

“मीठे बच्चे - *बाप को याद करने की आदत डालो तो देही-अभिमानी बन जायेंगे, नशा वा खुशी कायम रहेगी, चलन सुधरती जायेगी''*

उत्तर 6- C. होलीहंस

बाबा कहते बच्चे, तुम यहाँ आये हो असुर से देवता बनने, तो सदा एक दो में ज्ञान की चर्चा करो, दैवीगुण धारण करो, अन्दर जो भी अवगुण हैं उन्हें निकाल दो। बुद्धि को स्वच्छ, साफ बनाओ। *होलीहंस वह है जो व्यर्थ को समर्थ में परिवर्तन कर दे।*

उत्तर 7- C. खाना खाते

शुद्ध भोजन खाते हुए भी आत्मा को पावन बनाने के लिए याद की मेहनत जरूर करनी है। याद से ही श्रेष्टाचारी बनना है। विकर्म विनाश करने हैं।

उत्तर 8- C. गरीब

तुम बच्चे जानते हो कि *गरीब ही गुप्त पुरुषार्थ करके राज्य भाग्य लेते हैं* बाकी तो सबका विनाश होना है। यह ज्ञान है भारत के लिए। बाबा कहते हैं मेरे भक्तों को यह ज्ञान सुनाओ। शिव के पुजारी हो या देवताओं के पुजारी हों।

उत्तर 9- C. द्वेष

ज्ञान-मार्ग में भी जो यथार्थ रहमदिल हैं - उसमें 3 बातों से किनारा करने की शक्ति होती है। जिसमें रहम नहीं होता वे समझते हुए, जानते हुए तीन बातों के परवश बन जाते हैं। *वह तीनों बातें हैं - अलबेलापन, ईर्ष्या और घृणा।* कोई भी कमजोरी वा कमी का कारण 90 प्रतिशत यह तीनों बातें होती हैं।

उत्तर 10- D. ज्ञानयुक्त रहम

बिना ज्ञान के रहम कभी नुकसान भी करता है। लेकिन *ज्ञानयुक्त रहम कभी भी किसी आत्मा के प्रति ईर्ष्या वा घृणा का भाव दिल में उत्पन्न करने नहीं देगा।* ज्ञानयुक्त रहम के साथ-साथ स्वयं की रूहानियत का रूहाब भी अवश्य होता है। अकेला रहम नहीं होता। लेकिन रहम और रूहाब दोनों का बैलेंस रहता है।

उत्तर 11- B. मनमनाभव

दी हुई वस्तु को फिर से स्वयं यूज़ करना, उसको कहा जाता है - अमानत में ख्यानत। जब मन-बुद्धि दे दिया तो फिर आपकी रही कहाँ जो प्रभावित होते हो? बाप के हवाले कर दिया है या आधी रखी है, आधी दी है? जिन्होंने फुल दी है वे हाथ उठाओ। देखो, *ब्राह्मण-जीवन का फाउण्डेशन, महामंत्र क्या है? मनमनाभव।*

उत्तर 12- B. प्रसन्नचित्त

बाप ने जो शक्तियों का, ज्ञान का, गुणों का, सुख-शान्ति, आनंद, प्रेम का खजाना दिया है, जो भी भिन्न-भिन्न प्राप्तियां हुई हैं, उन प्राप्तियों को बुद्धि में इमर्ज करो तो खुशी की अनुभूति होगी *।जो सर्व प्रश्नों से पार रहता है - वही प्रसन्नचित है।*

उत्तर 13- C. डिफेक्ट

कभी कोई भी परिस्थिति आए उसे ऐसा ही समझो कि बेहद के स्क्रीन पर कार्टून शो वा पपेट शो चल रहा है। माया वा प्रकृति का यह एक शो है, जिसको साक्षी स्थिति में स्थिति हो, अपनी शान में रहते हुए, सन्तुष्टता के स्वरूप में देखते रहो *-किसी भी प्रकार के डिफेक्ट से परे रहना ही परफेक्ट बनना है।*

उत्तर 14- A. पुरुषार्थ करने वाले

मम्मा-बाबा महाराजा महारानी बनते हैं तो हम क्यों न पद पायें। *पुरुषार्थ करने वाले छिप नहीं सकते* । सारी राजधानी स्थापन हो रही है। दैवी धर्म वाले जो भी हैं आयेंगे जरूर। मम्मा बाबा राजा-रानी बनते हैं तो हम भी क्यों न पुरुषार्थ करें।

उत्तर 15- B. इस पुराने शरीर को छोड़ने से

तुम अभी इस पुराने शरीर को छोड़ने से डरते नहीं हो क्योंकि तुम्हारी बुद्धि में है - हम आत्मा अविनाशी हैं। बाकी यह पुराना शरीर भल चला जाए हमें तो वापिस घर जाना है। हम अशरीरी आत्मा हैं। बाकी इस शरीर में रहते बाप से ज्ञान अमृत पी रहे हैं।

उत्तर 16- D.मनुष्य

यह है राजयोग तो पद पाना चाहिए ऊंचा। दास-दासी जाकर बने तो भगवान से क्या वर्सा पाया, कुछ भी नहीं। बाबा से कोई पूछे तो फट से बाबा बता सकते हैं। काम करना चाहिए इशारे से। *बिगर कहे जो काम करे सो देवता..। कहने

से जो करे सो मनुष्य।* तुमको अब श्रीमत मिलती है देवता बनने की।